

नई दिल्ली NEW DELHI



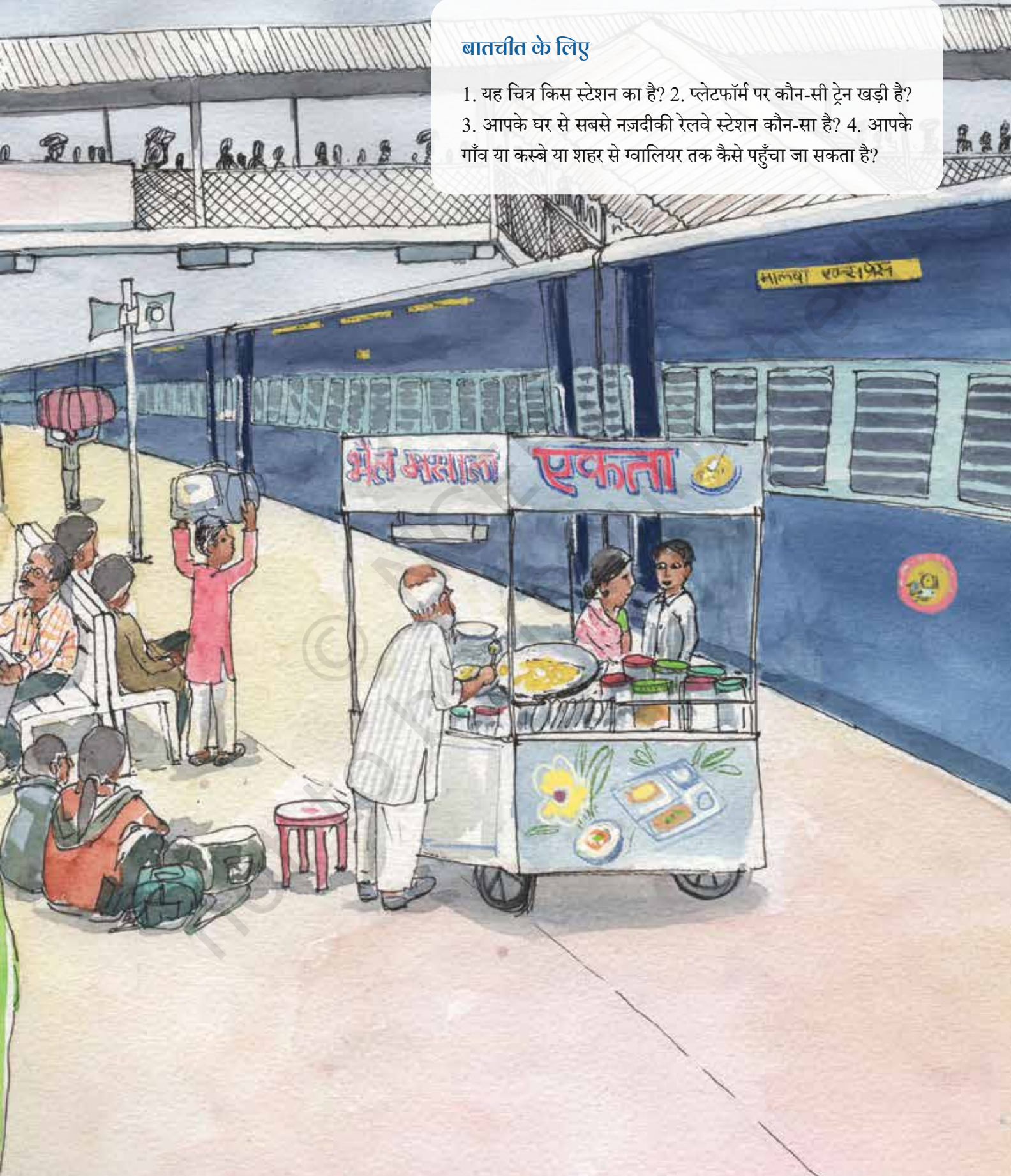
गाड़ी सं.	आवक	समय	स्थिति
12919	आवासीय गाड़ी	05:20	5
13007	आवासीय गाड़ी	05:30	4
12138	पंजाब एक्सप्रेस	05:35	3
12002	आवासीय गाड़ी	06:00	1
12015	आवासीय गाड़ी	06:25	3
12004	आवासीय गाड़ी		
12876	आवासीय गाड़ी		
12017	आवासीय गाड़ी		
12555	आवासीय गाड़ी		
13008	आवासीय गाड़ी		
12029	आवासीय गाड़ी		
5192	आवासीय गाड़ी		
1235	आवासीय गाड़ी		

नई दिल्ली
NEW DELHI



बातचीत के लिए

1. यह चित्र किस स्टेशन का है? 2. प्लेटफॉर्म पर कौन-सी ट्रेन खड़ी है?
3. आपके घर से सबसे नज़दीकी रेलवे स्टेशन कौन-सा है? 4. आपके गाँव या कस्बे या शहर से ग्वालियर तक कैसे पहुँचा जा सकता है?



10

यात्रा

हम सीखेंगे

- समय की माप का उपयोग करना (12 और 24 घंटे वाली घड़ी)
- कैलेंडर, समय-सारिणी और रेल टिकट पर दी गई सूचनाओं की समझ बनाना

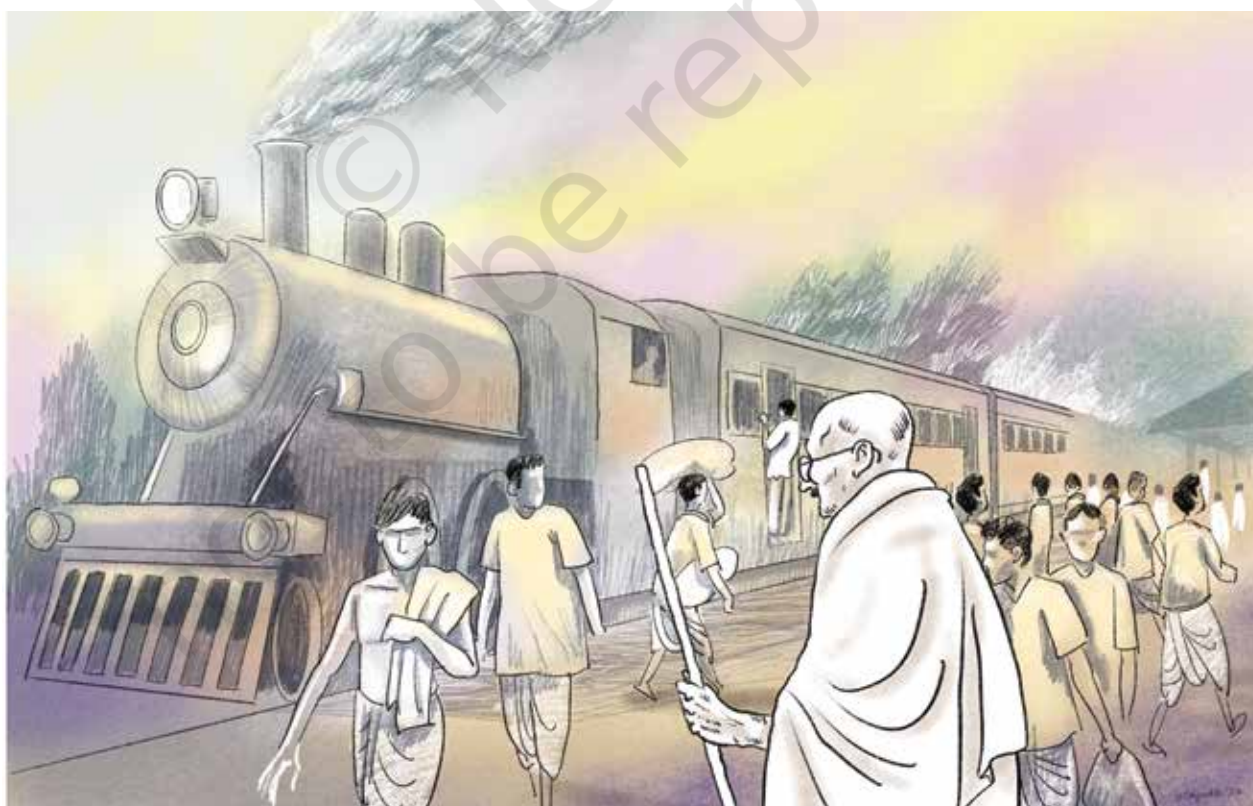
नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए—

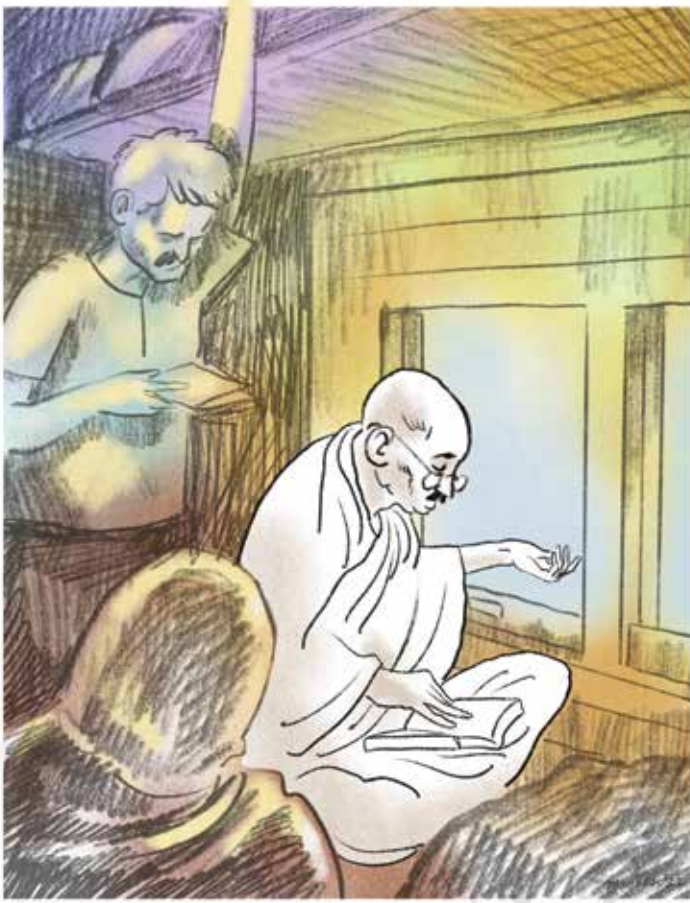
सीट	नज़ारे	ड्राइवर	सीटी	पगडंडी
लौटना	रेल	रास्ता	प्रसाधन	यात्रा
सड़क	बैलगाड़ी	किराया	सामान	साइकिल
टिकट	यात्री	मुसाफ़िर	बस अड्डा	रेलवे स्टेशन
बुकिंग	रिक्शा	स्लीपर	गार्ड	इंजन
टी.टी.	प्लेटफ़ॉर्म	कंडक्टर	आरक्षण	तत्काल

शिक्षक-निर्देश— ऊपर यात्रा से जुड़े कुछ शब्द दिए गए हैं। इन शब्दों पर चर्चा करें। सहभागियों को अपनी किसी यात्रा से जुड़े मजेदार अनुभव साझा करने के लिए कहें। सहभागियों को प्रोत्साहित करें कि वे यात्रा से जुड़ा कोई नाटक तैयार करें और अन्य साथियों को दिखाएँ।

गांधी जी की आत्मकथा से...

‘गिरमिट की प्रथा’ अध्याय में गांधी जी लिखते हैं — रेल की भीड़ की तकलीफ़ का मुझे बहुत कड़वा अनुभव हुआ। मुझे लाहौर के रास्ते होते हुए कराची से कलकत्ते जाना था। लाहौर में ट्रेन बदलनी थी। वहाँ की ट्रेन में बुरा हाल था। यात्री ज़बरदस्ती अपना रास्ता बना लेते थे। दरवाज़ा बंद होता तो खिड़की में से अंदर घुस जाते थे। मुझे कलकत्ते निश्चित तारीख पर पहुँचना था। यह ट्रेन खो देता तो मैं कलकत्ते पहुँच न पाता। मैं जगह मिलने की आशा छोड़ बैठा था। कोई मुझे अपने डिब्बे में आने न देता था। आखिर एक मज़दूर ने कहा, “मुझे बाहर आने दो तो जगह दिला दूँगा।” मैंने कहा, “मुझे जगह दिला दो तो ज़रूर बाहर आने दूँगा।” मज़दूर वहाँ बैठे यात्रियों से गिड़गिड़ाकर कह रहा था, पर कोई मुझे लेने





को तैयार न हुआ। ट्रेन छूटने ही वाली थी कि एक डिब्बे के कुछ यात्रियों ने कहा, “डिब्बे में जगह नहीं है तो भी अंदर घुस सकते हो, तो कोशिश कर लो। लेकिन खड़ा रहना होगा।” मज़दूर मेरी ओर देखकर बोला, “क्यों जी?” मैंने “हाँ” कहा और उसने मुझे उठाकर खिड़की से अंदर डाल दिया। मैं अंदर घुसा और उस मज़दूर ने बाहर आने कमा लिए।

मेरी यह रात मुश्किल से बीती। दूसरे यात्री जैसे-तैसे

करके बैठ गए। मैं ऊपर वाली बैठक की जंजीर पकड़कर दो घंटे खड़ा ही रहा। इस बीच कुछ यात्री मुझे धमकाते ही रहे, “अजी, बैठते क्यों नहीं हो?” मैंने बहुत समझाया कि कहीं जगह नहीं है। पर उन्हें तो मेरा खड़ा रहना भी सहन नहीं हो रहा था। वे बार-बार मुझे परेशान करते थे। वे जितना मुझे परेशान करते थे, उतनी ही शांति से मैं उन्हें जवाब देता था। इससे वे कुछ शांत हुए। मेरा नाम-धाम पूछा। जब मुझे नाम बतलाना पड़ा तब वे शरमाए। मुझसे माफ़ी माँगी और मेरे लिए अपनी बगल में जगह कर दी, ‘सब्र का फल मीठा होता है’ कहावत मुझे याद आई। मैं बहुत थक गया था। मेरा सिर घूम रहा था। जब मुझे सचमुच ज़रूरत थी, तब ईश्वर ने बैठने की जगह दिला दी।

■ पढ़िए और बातचीत कीजिए—

- प्रश्न 1. गांधी जी रेल से यात्रा के लिए स्टेशन पहुँचे। उन्होंने स्टेशन आने तक की यात्रा कैसे की होगी?
- प्रश्न 2. गांधी जी के समय में रेल, मोटर, इक्का-ताँगा, साइकिल और बैलगाड़ी जैसे साधन ज़्यादा देखने में आते थे। आज के समय में यात्रा के और कौन-कौन से साधन आ गए हैं?
- प्रश्न 3. किसी भी यात्रा में पुरुष अधिक दिखाई देते हैं, स्त्रियाँ कम दिखती हैं। ऐसा क्यों है?
- प्रश्न 4. जैसे गांधी जी को अपनी यात्रा याद रही, क्या आपको भी अपनी कोई यात्रा याद है? उसके बारे में बताइए।
- प्रश्न 5. अनेक गाँवों में आज भी आने-जाने के लिए ठीक सुविधाएँ नहीं हैं। ऐसे में किस-किस तरह की परेशानियाँ लोगों को झेलनी पड़ती हैं? अपने क्षेत्र के अनुभव के आधार पर बताइए।

गांधी जी ने लाहौर से कलकत्ता की यह यात्रा वर्ष 1917 में की थी। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आमंत्रण पर कलकत्ता पहुँचना ज़रूरी था। तब तक उन्हें महात्मा की उपाधि तो नहीं मिली थी, लेकिन जहाँ पहचान लिया जाता, वहाँ नाम का घोष ज़रूर होता था।

यात्रा

मैं अपनी बहन के घर आया था। दो-तीन दिन यहाँ रहूँगा, फिर मैं अपने घर लौट जाऊँगा। बहन भी कभी-कभी आती है। मगर उसका आना घर लौटना नहीं होता! हम दोनों ने एक ही घर से यात्रा शुरू की थी। बहन मुझसे तीन साल बड़ी थी। वह मुझे बहुत लाड़ करती थी। वह कुछ भी खाती तो मेरा हिस्सा उसमें रहता था। मैं भी कभी-कभी उससे अपनी चीज़ें साझा करता था। उसे मेरे कपड़े छोटे होते थे। मगर मुझे उसके कपड़े बन जाते थे, बल्कि थोड़े ढीले होते थे। एक बार मैंने उसकी फ्रॉक पहन ली थी। वह इतनी हँसी, इतनी हँसी, अपना पेट पकड़े हँसती ही रही। मैं नहीं समझा, मगर वह हँस रही थी, तो मैं भी हँस रहा था।



आज सुबह से उसके घर आया हूँ। सुबह से बात-बात पर वह हँस रही है। उसके बच्चे, उसका पति सबका काम उसके बिना नहीं चल पा रहा है। मैं उससे अकेले में मिलना चाहता हूँ। मगर बच्चे हमेशा उसे घेरे रहते हैं। उसने आँगन में एक अमरूद लगाया था। इस बार वह पहली बार फ़ला है। यह पहला फ़ल मैंने उसके लिए तोड़ा था। वही उसे देना चाहता हूँ। बच्चों के सामने दूँगा तो पता नहीं... वे शायद हँस देंगे या क्या पता, वह खुद न खाए और बच्चों को दे दे या क्या पता बच्चे ही उससे झपट लें।

आज लौट रहा हूँ। रात की बस है। बस में सब सो रहे हैं। ड्राइवर जाग रहा है। पर वह तो ड्राइवर है और मैं जाग रहा हूँ। रास्ते में दुकानें हैं। ठंड की रात है। एक दुकान पर आग जलती दिख रही है। और कोई तो नज़र नहीं आया, बस दो कुत्ते सो रहे हैं। कभी-कभी थोड़ी बहुत रोशनी दिख जाती है। कहीं दूर खेत में एक बल्ब लटका दिख जाता है। बाकी हर तरफ़ अँधेरा है। बस की हैडलाइट की रोशनी में थोड़ी-सी सड़क दिखती जा रही है।

यह कैसी यात्रा है! सब सो रहे हैं। किसी को कुछ नहीं मालूम कि कहाँ जा रहे हैं! ड्राइवर पर बहुत भरोसा है। बस से बाहर भी सब सो रहे हैं। सुबह मैं घर पहुँच जाऊँगा।

अम्माँ आँगन में बैठी हैं। मेरा रास्ता देखती! बहन ने अम्मा के लिए सरौती भेजी है। वह मैंने बैग की सबसे ऊपर की जेब में ही रख ली थी। तुरंत अम्माँ को थमा दी। अम्माँ बहुत खुश हैं। बहुत खुश! मैंने बैग से वह अमरूद निकाला और डाली में वह जगह ढूँढ़ने लगा, जहाँ से उसे तोड़ा था।

— सुशील शुक्ल



■ बताइए—

- प्रश्न 1. लेखक अपनी बहन को अमरूद क्यों नहीं दे पाया?
- प्रश्न 2. 'यात्रा' पढ़ते समय आपको कैसा महसूस हुआ? क्या उसका कोई हिस्सा पढ़ते समय आपको लगा कि आपने भी वैसा कुछ महसूस किया है?
- प्रश्न 3. यात्रा करते समय लेखक ने बस के बाहर क्या-क्या देखा?
- प्रश्न 4. कई बार बहुत छोटे लड़के भी अपनी बहन की फ्रॉक पहन लेते हैं। आप इस बारे में क्या कहेंगे?
- प्रश्न 5. कहानी में ऐसे कौन-से अंश हैं जो यह बताते हैं कि भाई-बहन के बीच बहुत प्रेम है?
- प्रश्न 6. आपने किन कारणों से यात्रा की है?

■ पढ़िए और लिखिए—

- प्रश्न 1. सही मुहावरे से वाक्य पूरे कीजिए।

घोड़े बेचकर सोना, हँसते-हँसते लोट-पोट होना, कलेजा धड़कना,
ईद का चाँद होना, आँख लगना

- (क) मुझे फ्रॉक पहना देख वह _____
- (ख) बहुत दिन बाद दिखे हो, तुम तो _____
- (ग) अँधेरे में तो मेरा _____
- (घ) मेरा इंतज़ार करते-करते अम्मा की _____
- (ङ) रात को तो सब _____

प्रश्न 2. सही शब्द लिखिए—

- (क) आपको _____ जाना है? (कहा/कहाँ)
(ख) बहन की _____ आई हैं। (सास/साँस)
(ग) कल बहुत तेज़ _____ आई। (आधी/आँधी)
(घ) बहन ने _____ कि बारिश आएगी। (कहा/कहाँ)
(ङ) सामने कुत्ते को देख मेरी _____ अटक गई। (सास/साँस)
(च) बच्चों की तो _____ टिकट लगती है। (आधी/आँधी)

प्रश्न 3. आपके गाँव/शहर में यात्रा के कौन-कौन से साधन हैं?
निम्नलिखित में से आने-जाने के लिए आप किन साधनों
का उपयोग करते हैं? (✓) का निशान लगाइए।

- | | | | |
|--------------|--------------------------|-----------------|--------------------------|
| (क) बस | ☐ | (ङ) स्कूटर/बाइक | ☐ |
| (ख) रेलगाड़ी | ☐ | (च) ई-रिक्शा | ☐ |
| (ग) मेट्रो | ☐ | (छ) टैक्सी | ☐ |
| (घ) जीप | ☐ | (ज) ट्रक | ☐ |

प्रश्न 4. अपनी किसी यादगार यात्रा की कुछ बातें यहाँ लिखिए—

प्रश्न 5. किसी भी सफ़र के लिए किस तरह की तैयारी की ज़रूरत होती है? अपने विचार साझा कीजिए और लिखिए।

24 घंटे वाली घड़ी

एक दिन में 24 घंटे होते हैं। आमतौर पर हम 12 घंटे वाली घड़ी से समय देखते हैं। इसकी घंटे की सुई पूरे दिन में घड़ी के दो चक्कर लगाती है। एक चक्कर में 12 घंटे लगते हैं फिर दूसरा चक्कर शुरू हो जाता है। इस घड़ी में दोपहर से पहले 'AM' (प्रातः) और दोपहर के बाद समय के साथ 'PM' (सायं) लिखना होता है, जबकि 24 घंटे वाली घड़ी आधी रात के 12 बजे से पूरे 24 घंटे का समय बताती है। जैसे— सायं 5 बजे को 24 घंटे वाली घड़ी में दिखाया जाएगा 17:00 और इसका उपयोग रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा इत्यादि जगहों में किया जाता है।

■ समय-सारिणी

पीयूष महाबोधि एक्सप्रेस में बैठकर नई दिल्ली से प्रयागराज जंक्शन तक यात्रा करेगा। इस रेलगाड़ी की समय-सारिणी में समय को 24 घंटे वाली घड़ी के हिसाब से दिया गया है।

12398 महाबोधि एक्सप्रेस समय-सारिणी

क्र. सं.	स्टेशन का नाम	पहुँचने का समय	स्टेशन छोड़ने का समय	दूरी (किलोमीटर में)
1.	नई दिल्ली	_____	12:10	_____
2.	अलीगढ़ जंक्शन	13:51	13:53	131
3.	कानपुर सेंट्रल	17:30	17:40	440
4.	प्रयागराज जंक्शन	20:10	20:15	635

■ अब महाबोधि एक्सप्रेस समय-सारिणी देखकर बताइए—

- पीयूष प्रयागराज जंक्शन कब पहुँचेगा? 12 घंटे वाली घड़ी में तब क्या समय होगा?
- नई दिल्ली से प्रयागराज जंक्शन पहुँचने में उसे कितना समय लगेगा?
- नई दिल्ली से प्रयागराज जंक्शन की दूरी कितने किलोमीटर है?
- अलीगढ़ जंक्शन से प्रयागराज जंक्शन कितना दूर है?

शिक्षक-निर्देश— सहभागियों को प्रेरित करें कि वे 24 घंटे वाली घड़ी और 12 घंटे वाली घड़ी में समय बता सकें तथा 24 घंटे वाली घड़ी में दिए गए समय को 12 घंटे वाली घड़ी के समय में बदल सकें। रेल समय-सारिणी के उपयोग से अभ्यास करने के अवसर दें।

■ रेल टिकट

आइए, पीयूष की रेलगाड़ी की टिकट का नमूना देखें—

प्रस्थान की तिथि

पी.एन.आर. नं.

गाड़ी संख्या

कुल दूरी (किलोमीटर में)

टिकट नंबर

गाड़ी का नाम

प्रस्थान का स्टेशन

गंतव्य स्टेशन

किराया (रुपये में)

कोच नंबर

सीट नंबर

आयु

महाबोधि एक्सप्रेस

नमूना टिकट

शुभ यात्रा	HAPPY JOURNEY
पी एन आर नं. PNR NO.	गाड़ी नं. TRAIN NO.
846-0474720	12398
तिथि DATE	कि.मी. K.M.
08-08-2018	635
वयस्क ADULT	बच्चा CHILD
0	0
टिकट नं. TICKET NO.	
79964899	
प्रस्थान का स्टेशन FROM STATION	गंतव्य स्टेशन TO STATION
नई दिल्ली	प्रयागराज जं.
गाड़ी का नाम TRAIN NAME	
महाबोधि एक्सप्रेस	
कोच नंबर COACH	सीट नंबर SEAT/BERTH
S14	33
आयु AGE	
32	
किराया FARE	
375	

1. पीयूष की गाड़ी का नाम क्या है? _____
2. गाड़ी संख्या क्या है? _____
3. कोच नंबर क्या है? _____
4. सीट नंबर क्या है? _____
5. पीयूष की आयु कितनी है? _____
6. नई दिल्ली से प्रयागराज जंक्शन की टिकट कितने रुपये की है? _____
7. कितने रुपये वापस मिलेंगे? _____



देकर टिकट खरीदने पर



देकर टिकट खरीदने पर

- रेलगाड़ी की टिकट में दी गई सूचनाओं को पढ़कर बताइए और लिखिए।

शुभ यात्रा		HAPPY JOURNEY	
पी एन आर नं. PNR NO.	गाड़ी नं. TRAIN NO.	तिथि DATE	कि.मी. K.M.
423-4888961	12429	30-01-2012	705
वयस्क ADULT	बच्चे CHILD	टिकट नं. TICKET NO.	
1	0	A 10698864	
श्रेणी CLASS	JOURNEY CUM RESERVATION TICKET		से आरक्षित PRS-SC
उत्पात BANGALORE CY JN	सिकंदराबाद जं. SECUNDERABAD JN		तक आरक्षित / RESV. UP TO 313
कोच COACH	सीट/बर्थ SEAT/BERTH	लिंग SEX	आयु AGE
B4	1 LB	F	25
पात्र प्राधिकार T.AUTHORITY	रियायत CONC	आ.शु. R.FEE	इ.प्र. S.CH
		20	
कु. नकद रु. T.CASH Rs.	1085		
Rs. ONE ZERO EIGHT FIVE ONLY			
RAJDHANI EXP BRD BANGALORE CY JN SCH DEP 30-01 20:20 ARR 31-01 07:35			
313 04-11-2011 16:55 JET 1 VIA DMH			

- यात्रा की दूरी कितनी है? _____
- यात्रा की तिथि क्या है? _____
- टिकट द्वारा कहाँ से कहाँ तक की यात्रा की जा सकती है? _____
- यात्रा का किराया कितना है? _____
- चार यात्री होने पर कितना किराया होगा? _____
- टिकट का पी.एन.आर. नंबर क्या है? _____

कैलेंडर

2024

जनवरी

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

फरवरी

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
			1	2	3	
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29		

मार्च

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30
31						

अप्रैल

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

मई

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

जून

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

जुलाई

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

अगस्त

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

सितम्बर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

अक्टूबर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

नवंबर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

दिसम्बर

र	सो	मं	बु	गु	शु	श
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			



साल में 12 महीने होते हैं। कुछ महीने 30 दिन के होते हैं, कुछ 31 दिन के। फ़रवरी का महीना 28 या 29 दिन का होता है। साल का पहला महीना जनवरी और आखिरी महीना दिसंबर होता है।

जो साल 4 से भाग देने पर पूरी तरह बँट जाए, उस साल फ़रवरी का महीना 29 दिन का होता है, जैसे— 2016 और 2020 में फ़रवरी 29 दिन का था। 2024 और 2028 में भी फ़रवरी माह 29 दिन का होगा।

एक साल में 365 दिन होते हैं। जिस साल फ़रवरी माह 29 का होता है, उस साल में 366 दिन होते हैं।

हम सब जानते हैं कि सप्ताह में 7 दिन होते हैं। कैलेंडर में सप्ताह का पहला दिन रविवार और आखिरी दिन शनिवार होता है। कैलेंडर में एक साल के हर महीने का हिसाब होता है, जैसे— महीने में कितने सप्ताह होंगे, किस दिन क्या तारीख होगी, आदि।

आइए, दिए गए कैलेंडर को देखें और समझें—

■ नीचे वर्ष 2023 के अगस्त माह का कैलेंडर दिया गया है, इसे पूरा कीजिए—

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	बृहस्पतिवार	शुक्रवार	शनिवार
		1	2			5
			9			
		15				19
20				24		
				31		

■ कैलेंडर को देखकर बताइए—

- इस महीने में कितने रविवार होंगे? _____
- 17 अगस्त को कौन-सा दिन होगा? _____
- महीने के चौथे शनिवार को कौन-सी तारीख होगी? _____
- क्या 19 तारीख को सोमवार होगा? _____
- यदि पीयूष 6 तारीख को यात्रा शुरू करे तथा 15 तारीख को यात्रा समाप्त करे तो उसने कितने दिन यात्रा की? _____
आपने कैसे पता किया? _____
- यह महीना किस दिन समाप्त होगा? _____
- रानी को शुक्रवार की छुट्टी मिलती है। क्या रानी को इस महीने में 5 छुट्टी मिलेंगी? _____

शिक्षक-निर्देश— सहभागियों को प्रेरित करें कि वे कैलेंडर की मदद से दी गई दो तारीखों के बीच के दिनों का हिसाब लगा सकें।

वर्णमाला

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण ङ ढ

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ श्र